स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

एस. चंद्रशेखर

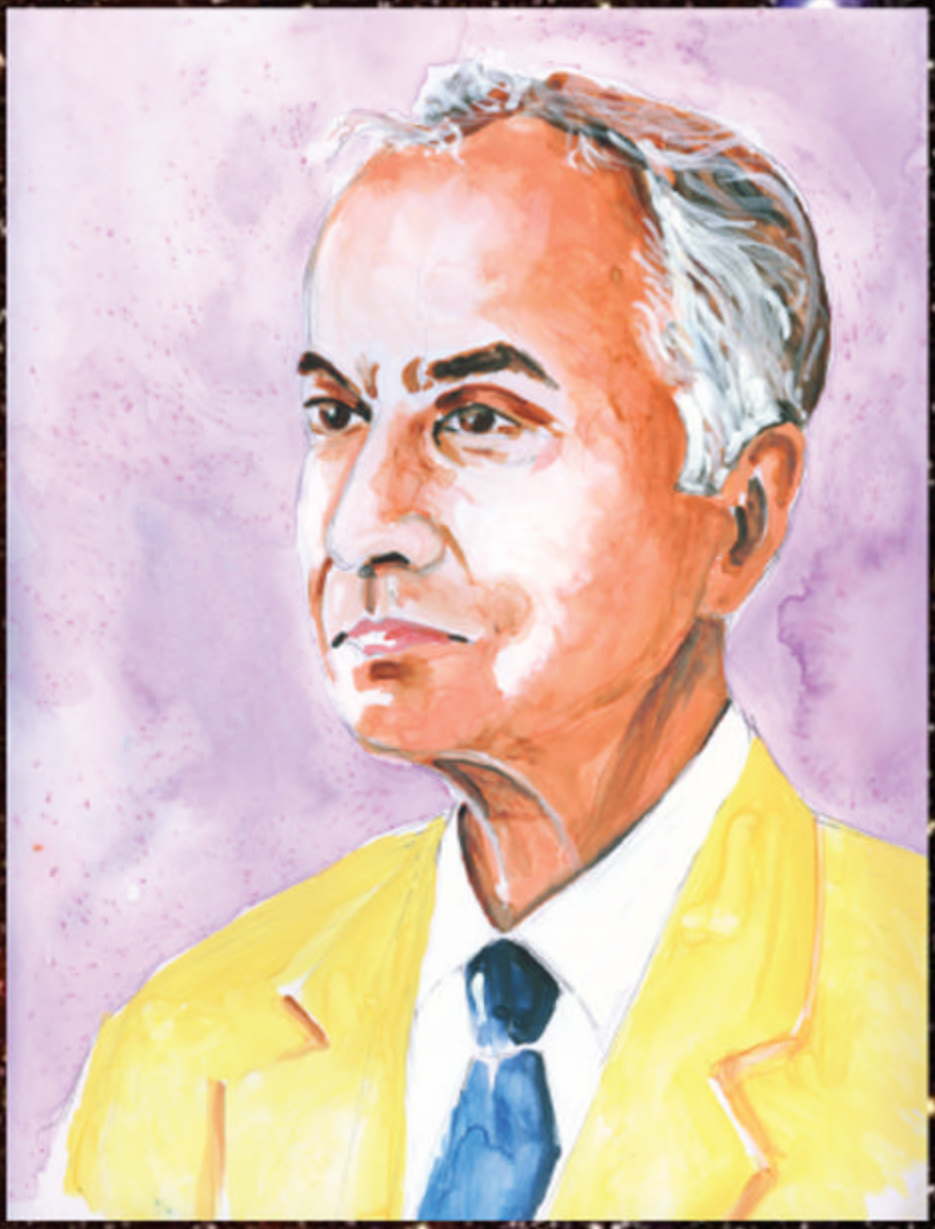

एस. चंद्रशेखर का जन्म 19 अक्टूबर 1910 को लाहौर में हुआ। पिता दक्षिण-पश्चिम रेलवे में डिप्टी ऑडिटर जनरल थे; मां सीता बालकृष्णन बौद्धिक महिला थीं। 1918 में परिवार मद्रास आ गया जहां चंद्रशेखर की आगे की स्कूली शिक्षा हुई और उन्होंने 1930 में प्रेसीडेंसी कॉलेज से बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक शास्त्र से किया। कॉलेज में ही ललिता दोरायस्वामी से मुलाकात हुई जिनसे आगे चलकर विवाह भी किया।

जुलाई में भारत सरकार की स्कॉलरशिप पर कैम्ब्रिज गए जहां वे आर एच. फाउलर के निर्देशन में शोध कार्य शुरू किया। सन् 1936 में पीएच.डी. पूरी करते ही उन्हें ट्रिनिटी कॉलेज की फेलोशिप मिल गई। सन् 1937 में शिकागो विश्वविद्यालय में गए जहां वे तीस्स रहे। आप 20 वर्षों तक एस्ट्रोफिजिकल जर्नल के संपादक भी रहे।

चंद्रशेखर ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में स्टेलर स्ट्रक्चर, व्हाइट स्टेलर डायनामिक्स, रेडिएटिव ट्रांसफर, ब्लैक होल का गणितीय सिद्धांत और गुरुत्व सरंग जैसे विषयों पर काम किया। तारों की संरचना और विकास पर किए गए महत्वपूर्ण कार्य के लिए चंद्रशेखर को 1983 में भौतिकी के नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चंद्रशेखर का सबसे महत्वपूर्ण कार्य चंद्रशेखर सीमा के रूप में मशहूर है। उन्होंने स्पष्ट किया था कि हमारे सूर्य के द्रव्यमान से 1.44 गुना से अधिक संहति वाले तारे अंततः ब्लैक होल या न्यूट्रॉन तारों में तबदील हो जाएंगे। इस मुद्दे पर उन्हें प्रसिद्ध खगोल शास्त्री एडिंग्टन के घोर विरोध का सामना करना पड़ा था।

1968 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

1995 में इस महान भौतिक शास्त्री का निधन हो गया।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य कॉलोनी द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादक : डॉ. सुशील जोशी